ST. FRANCIS DE SALES COLLEGE

A FRANSALIAN INSTITUTE OF HIGHER EDUCATION **AUTONOMOUS**

NAAC A GRADE • AFFILIATED TO BANGALORE UNIVERSITY • AICTE APPROVED • 2(F) & 12 (B) RECOGNITION OF UGC • ISO 9001:2015 CERTIFIED

Electronics City P.O., Bengaluru - 560 100, Karnataka, INDIA (+91) 8088140679 pro@sfscollege.in www.sfscollege.in

END SEMESTER EXAMINATION – MAY 2025

LANGUAGE HINDI - II SEMESTER BA

24UBA21H: KAVYA SANGAM, SAHITYAKARON KA PARICHAY AUR SANKSHEPAN

Time: 3 Hours **Max. Marks: 80**

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्य में दीजिये। **10X1=10**

1. कबीरदास कैसी वाणी बोलने के लिए कह रहे हैं?
2. रहीम ने किसे हीरा कहा है?
3. जसोदा किसे जल्दी आने के लिए कह रही है?
4. तुलसीदास ने किन्हें त्याग देने की बात कही है?
5. जुही की कलि कहाँ सो रही थी?
6. शैल-पर्वत शिखर से क्या नजर आ रहा है?
7. जंजीरें किसके खिलाफ खनखना रही है?
8. लड़की किस पर सवार होकर भागती है?
9. बेटी घर के सामने क्या होने की बात कर रही है?
10. 'खरगोश और चीते की तलाश' कविता के रचनाकार कौन है?

II. निम्नलिखित अवतरण की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **2x7=14**

अ) 1. जाति न पूछो साधू की, पूछ लीजिए ज्ञान।
मोल करो तलवार का, पड़ा रहने दो म्यान॥

अथवा

2. मेरो मन अनंत कहाँ सुख पावै।
जैसे उड़ि जहाज को पंछी, फिरी जहाज पर आवै॥

कमल-नैन को छाँड़ि महातम, और देव को ध्यावै ।

परम गंग को छाँड़ि पियासो, दुरमति कूप खनावै ॥

जिहिं मधुकर अंबुज-रस चाख्यो, क्यों करील-फल खावै ।

'सूरदास' प्रभु कामधेनु तजि, छेरी कौन दुहावै ॥

आ) 1. दो

तुम तो पढ़कर सुनाओगे नहीं
कभी वह खत
जिसे भागने से पहले
वह अपने मेज पर रख गई
तुम तो छुपाओगे पूरे जमाने से
उसका संवाद

अथवा

2. बाबा !

मुझे उतनी दूर मत ब्याहना
जहाँ मुझसे मिलने जाने ख़ातिर
घर की बकरियाँ बेचनी पड़े तुम्हें
मत ब्याहना उस देश में
जहाँ आदमी से ज़्यादा
ईश्वर बसते हों

III. किन्हीं दो कविताओं का सारांश लिखकर उसकी विशेषताएँ लिखिए। **2x15=30**

1. लकड़ी का रावण ।

2. आज मैं लड़ रहा हूँ ।

3. खरगोश और चीते की तलाश ।

IV. किसी एक कविता पर टिपण्णी लिखिए। **1x6=6**

1. जुही की कली ।

2. उतनी दूर मत ब्याहना बाबा ।

V. **किसी एक साहित्यकार का परिचय लिखिए|** **10x1=10**

1. केदारनाथ सिंह ।

2. महादेवी वर्मा ।

VI. **निम्नलिखित गद्यांश का एक तिहाई शब्दों में सार लिखते हुए उचित शीर्षक दीजिये|** **10x1=10**

सदाचार का शिष्टाचार से घनिष्ट सम्बन्ध है । सदाचार सौजन्य की पूँजी है । सदाचार के बिना मनुष्य का जीवन निराधार होता है और शिष्टाचार के बिना सदाचारी पुरुष भी जीवन के माधुर्य से वंचित रह जाता है । प्राचीन देशों में शिष्टाचार को उच्च स्थान दिया गया है । चीन में प्राचीन काल से शिष्टाचार के बड़ी उच्च कोटि के नियम रहे हैं और उन्हीं के अनुसार बर्ताव होता रहा है । हमारे देश में भी सदैव पारस्परिक व्यवहार में स्नेह और सद्भाव की झलक दिखती रही है । दूसरे की भावनाओं का ध्यान और यथासम्भव ऐसी बात न करना जिससे दूसरे को ठेस पहुँचे, यह नियम हमारे समाज में सदा व्यापक रहा है ।